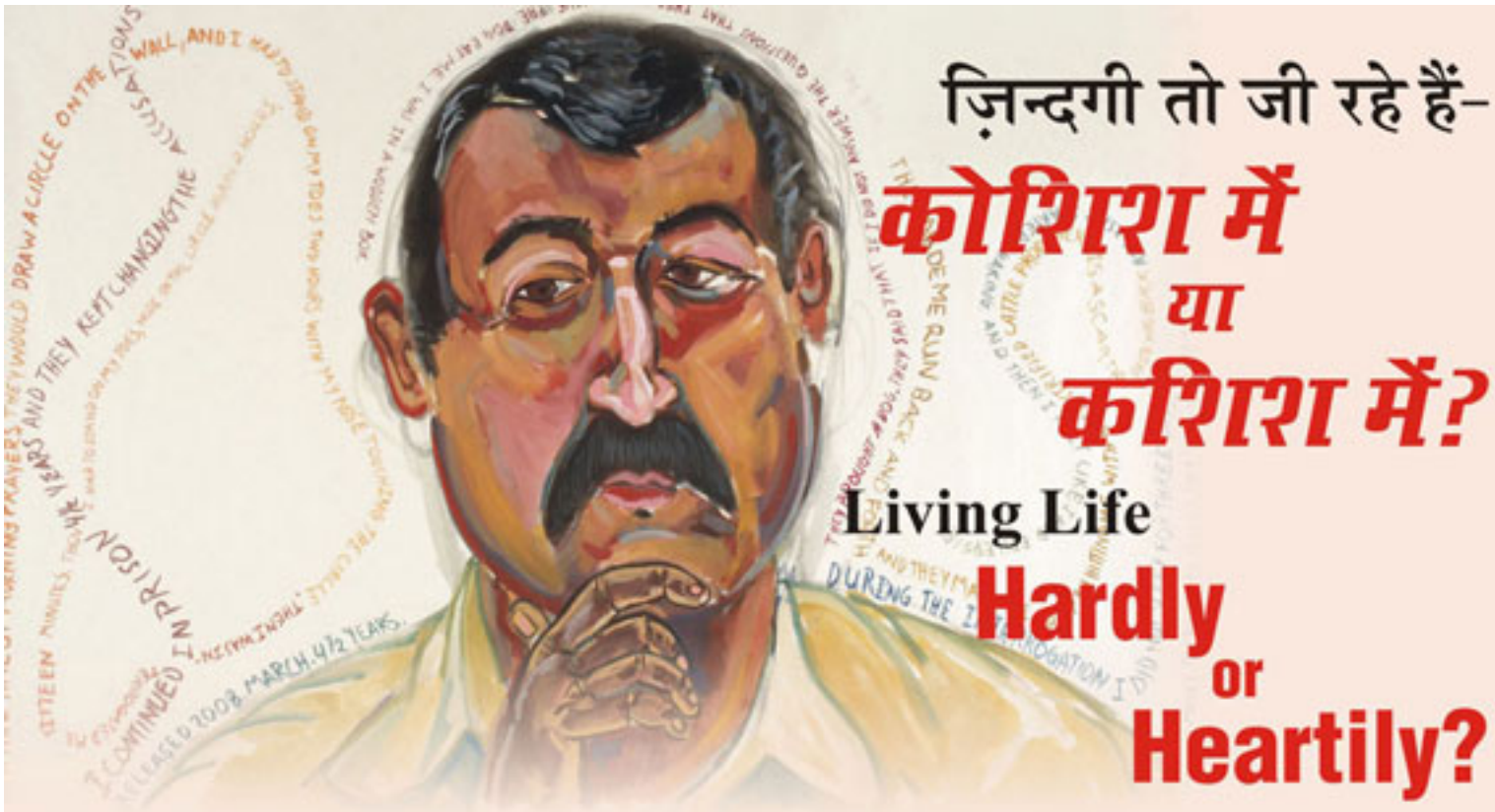

सुबह होते ही, जल्दबाज़ी शुरू।

दिन में क्या-क्या करना है? कल क्या-क्या गड़बड़ हो गई?

Tooth brushing करते समय, यही बातें mind में विचरण कर रही होती हैं।

यह नहीं कि tooth brushing का पूरा लुत्फ ले लें।

शौक से दाँत साफ नहीं हो रहे, करने हैं इसलिए कर रहे हैं।

Similarly, we are bathing, because we have to bathe. **"Enjoyment in bathing?"**

यह हमारी उम्र है क्या मज़ा लेने की? बच्चे लेते हैं मज़ा नहाने में।

हम बड़े हो गए हैं, दिन में tension and tears create करेंगे, तभी तो night में 'Cheers' करने की जरूरत पड़ ही जाती है।

Body is like a machine. Machanically use करने से body ने exhaust तो होना ही है। **Emotions गायब हो गई हैं। घर में या office में सीढ़ियाँ, उमंग में भी चढ़ सकते थे,** लेकिन, हम तो कुछ सोचते हुए stairs climb करेंगे। क्योंकि कई काम निपटाने हैं।

काम निपटाते-निपटाते ही ज़िन्दगी निपट जाती है और खुशियाँ सिमट जाती हैं।

we are human beings. (Being में होना था) बन गए हैं **human doings...** काम करने में लगे हैं।

हर पल जीने की कशिश होगी तो, जीने की कोशिश नहीं करनी पड़ेगी।

नज़र बदलते ही नज़ारे बदल जाएंगे।

एक Decision तो लें conscious होने का।

बस! केवल एक। Yes, केवल एक निश्चय करना है, **सब अच्छा होता चला जाएगा।**

Know Yourself

Am I Emotionally Mature?
क्या मैं भावनात्मक रूप से परिपक्व हूँ ?

1.	क्या हम ध्यान में रखते हैं कि I am not a body. I am a spirit in body, called soul?	☐ Yes	☐ No
2.	क्या Daily हम – परमेश्वर से Peace – शान्ति का वरदान माँगते हैं? because peace is the root of real progress.	☐ Yes	☐ No
3.	क्या दूसरों के critcise करने पर हम विचलित हो जाते हैं?	☐ Yes	☐ No
4.	क्या हम दिन में atleast 10-15 times अपनी गलतियों के लिए प्रभु से क्षमा माँगते हैं?	☐ Yes	☐ No
5.	क्या हम हर वस्तु व व्यक्ति में God की Presence देखते हैं?	☐ Yes	☐ No
6.	क्या हम मल मूत्र त्याग करते समय God को Gratitude Express करते हैं कि poison बाहर गया ?	☐ Yes	☐ No
7.	क्या हम अपने जन्म और मृत्यु को ध्यान में रखते हुए जाने अन्जाने सभी से Friendship करने के Mood में रहते हैं?	☐ Yes	☐ No

Even if 5 out of 7 - yes हैं तब life का level rapidly upward swing करने लगेगा।

ये जब्र भी देखा है – तारीख़ की आँखों में,
लम्हों ने ख़ता की थी, सदियों ने सज़ा पाई।

कार्यों से किस्मत
Feats से Fate
How?

अच्छे और बुरे कर्मों के Results पर हिन्दू, इस्लाम, सिक्ख, इसाई, सभी Religions में Emphasize किया है। हमारे Actions के Results को ही Fate, या Destiny या Luck या भाग्य कहते हैं।

हम सभी प्राणीयों का एक ही common father है जैसे कोई भी माता–पिता, अपने बच्चों में भेद भाव नहीं करते फिर परमपिता, partiality कैसे कर सकता है?

किसी को Rich	किसी को Poor
किसी को Healthy	किसी को Sick
किसी को Angry	किसी को Peaceful
किसी को Active	किसी को Lazy

वह क्यों बनाएगा?

जब हम पैदा होते हैं, शरीर से, अपना भाग्य, (Locked Box) (बन्द डिब्बे) की तरह साथ लेकर आते हैं उसको खोलने की Key भी अल्लाह ने ही साथ में रखी होती है– जिसको कहते हैं बुद्धि

जिसने जन्म दिया, **जिसके पास कुछ ही समय में वापस चले जाना है,** उसका काम करने का तरीका, हमें मालूम नहीं है, इसलिए Life के Game में Fail होते जा रहे हैं, और बार–बार, Diseases, Accidents, Thefts, Quarrels, Domestic Differences आदि Face करने पड़ते हैं और हमारी Life संघर्षपूर्ण बन जाती है।

इसलिए Laws of Nature, Laws of Divinity study करके, उनके अनुसार, जीवन शैली बनाने से, **हमारी बन्द किस्मत तुरन्त खुलने लगेगी** और हम अपने कर्मों के Results (भाग्य) को सहर्ष Accept करने लगेंगे।

दूसरों से या परमेश्वर से शिकायतें करना बन्द हो जाएंगी और, अपने गुनाहों को हम Regularly accept करते हुए **भविष्य के लिए तौबा–तौबा** करेंगे– शान्ति का अदभुत अनुभव होने लगेगा।

इसी को कहते हैं–

दुर्भाग्य का सौभाग्य में बदलना
शरीर की मृत्यु से पहले ही मोक्ष

Published by MISSION HAPPINESS, C-79/2, Rajendra Nagar, Bareilly. Ph. : 9837032053. email : missionhappiness29@yahoo.com Designed & Printed by : CANNON

IN THE NAME OF GOD

VOL. 33, AUGUST 2010

FOR FREE CIRCULATION WITHOUT ANY COMMERCIAL OBJECTIVE

उच्चश्रेणी के जीवन के लिए आवश्यक

अंतरध्वनि The Inner Voice

Essential for purposeful living

चार कंधों की अन्तिम यात्रा से पहले भाग्य बदल देने वाले चार प्रश्न

Body की Resale Value 0% Soul की Resale Value - 100% फिर भी 80% ध्यान Body पर 20% Soul पर।	भावनात्मक जीवन जीना था, भागात्मक जीवन जी रहे हैं।	Outer Noise पर ध्यान ज्यादा ! Inner Voice पर ध्यान कम !	शरीर की मृत्यु को ध्यान में नहीं रखने के कारण जीवन की कद्र कम कर दी।
ऐसा क्यों?	ऐसा क्यों?	ऐसा क्यों?	ऐसा क्यों?

◆ Science of Living ◆ Science of Loving ◆ Science of Leaving

Mission Happiness® मृत्यु से पहले ही मोक्ष® Mission Consciousness®